वार्षिक रिपोर्ट- 2011-2012

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय (विदृप्रनि) की स्थापना वर्ष 1955 में हुई थी। यह केंद्र सरकार की नोडल बहु-माध्यम विज्ञापन एजेंसी है। पिछले 56 वर्षों से यह निदेशालय लगभग सभी केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों तथा स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संचार संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है और उन्हें एक ही स्थान से किफायती दामों पर सभी सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। यह शहरी तथा ग्रामीण, दोनों ही क्षेत्रों की जनता को संचार के विभिन्न माध्यमों अर्थात् प्रिंट मीडिया विज्ञापन, श्रव्य-दृश्य विज्ञापन, मुद्रण प्रचार, प्रदर्शनियों और बाह्य प्रचार उपकरणों और मास मेलिंग के माध्यम से सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी और शिक्षा देता है तथा उन्हें विकास संबंधी गतिविधियों में भागीदारी निभाने को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय एकता और साम्प्रदयिक सद्भाव, ग्रामीण विकास कार्यक्रम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, एड्स जागरूकता, महिला सशक्तीकरण, बालिका उत्थान, उपभोक्ता जागरूकता, साक्षरता, रोजगार सृजन, आयकर, रक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा, ऊर्जा संरक्षण और हस्तशिल्प प्रोत्साहन एवं प्राकृतिक आपदा के लिए तैयारी आदि कुछ प्रमुख विषय हैं, जिनके विज्ञापन और प्रचार पर विदृप्रनि विशेष ध्यान देता है।

विदृप्रनि-
संगठनात्मक
ढांचा

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के मुख्यालय के विभिन्न स्कंध इस प्रकार हैं:- अभियान, विज्ञापन, बाह्य प्रचार, मुद्रण प्रचार, प्रदर्शनी, इलेक्ट्रानिक डॉटा प्रोसेसिंग सेंटर, मास मेलिंग, श्रृव्य-दृश्य सेल, डिजाइन स्टूडियो तथा प्रशासन और लेखा स्कंध।

निदेशालय के नई दिल्ली, बेंगलुरू और गुवाहाटी में तीन क्षेत्रीय कार्यालय हैं, जो इन क्षेत्रों में निदेशालय की गतिविधियों में समन्वय करते हैं। इसके अलावा कोलकाता और चेन्नई में इसके दो क्षेत्रीय वितरण केन्द्र हैं जो क्रमशः पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में प्रचार सामग्री के वितरण की देखरेख करते हैं।

विदृप्रनि का देश भर में फैले 32 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयों का नेटवर्क है। विदृप्रनि की क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां सरकार और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करती हैं। क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां देश के दूर-दराज के इलाकों में सामाजिक और विकास संबंधी विषयों पर बहु-माध्यम प्रदर्शनियों का आयोजन कर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर प्रेस, केन्द्र सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी का प्रचार-प्रसार करते हैं।

विदृप्रनि :

भारत सरकार की नोडल विज्ञापन एजेंसी

विदृप्रनि, भारत सरकार की एक नोडल विज्ञापन एजेंसी के रूप में पिछले 55 वर्षों से लगभग सभी केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों तथा स्वायत्त निकायों को एक ही स्थान से किफायती दामों पर बहु माध्यम प्रचार सेवाएं उपलब्ध करा रहा है।

विदृप्रनि का समग्र ढांचा

तीन क्षेत्रीय कार्यालय नई दिल्ली, बेंगलुरू और गुवाहाटी

दो क्षेत्रीय वितरण केंद्र कोलकाता और चेन्नई

32 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां

वर्ष 2011 के दौरान महत्वपूर्ण गतिविधियां

- विदृप्रनि ने अपने प्रचालनों में आधुनिकीकरण डिजिटलाइजेशन और प्रौद्योगिकीय उन्नयन की अपनी गतिविधियों को जारी रखा। विदृप्रनि प्रक्रिया को सक्षम पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए इलैक्ट्रानिक क्लीअरेंस योजना (ई सी एस) के माध्यम से समाचार पत्रों और ए वी चैनलों को अपने भुगतान करने के यथा संभव प्रयास कर रहा है। विदृप्रनि जहां इस समय अपने रिलीज आर्डर और प्रिंट मीडिया संबंधी विज्ञापन डिजाइन आन लाइन जारी कर रहा है वहीं दूसरी ओर यह प्रिंट मीडिया तथा श्रव्य-दृश्य मीडिया और प्रिंट मीडिया की दर के नवीकरण के लिए आवेदनों को ऑन लाइन प्राप्त कर रहा है। विदृप्रनि ऑडियो स्पॉटों को ऑनलाइन जारी करने की प्रक्रिया में भी है। ई-बस सुविधा और श्रव्य दृश्य सामग्री के पुरालेखन की मार्फत वीडियो स्पॉटों को इलैक्ट्रानिक रूप से अपलोड करने की शुरुआत की जा रही है।
- विदृप्रनि ने किसी भी विज्ञापन के लिए कोई भी रिलीज आदेश अपलोड करने के कुछ ही सेंकडों के भीतर संबंधित प्रकाशनों को एस.एम.एस. अलर्ट भेजने की एक नई सुविधा आरंभ की है। इससे प्रकाशकों को उन्हें जारी किए गए विज्ञापनों की जानकारी उस परिस्थिति में भी होगी जब वे विदृप्रनि की वेबसाइट की ब्राउजिंग नहीं कर पा रहे होंगे।
- विदृप्रनि ने इस वर्ष अपनी वेबसाइट www.davp.nic.in को विक्लांगों के अनुरूप बना दिया है। अब शारीरिक रूप से विक्लांग व्यक्ति बिना किसी कठिनाई के वेबसाइट तक अपनी पहुंच बना सकते हैं।
- विदृप्रनि सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करके प्रक्रियाओं के आटोमेशन और डिजिटलाइजेशन तथा बहुआयामी मानीटरिंग पर विचार कर रहा है। इससे सभी स्तरों पर स्वतः रिपोर्ट की सुविधा प्राप्त होगी।
- 'डिजिटल सिनेमा' और 'कम्युनिटी रेडियो' नामक नए उभरे मीडिया को विदृप्रनि ने अपने पैनल में शामिल किया है। एस.एम.एस. मोबाइल, वेबसाइट की मार्फत विज्ञापन के अन्य नए तरीकों को पायलेट आधार पर पैनल में शामिल किया गया है।
- विदृप्रनि ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2011 के दौरान प्रगति मैदान में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वाधान में "अ-संक्रमित बीमारियां" नामक एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

विदृप्रनि ने सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों के बारे में लोगों को जागरूक करने संबंधी एक विशेष विषय पर कैलेंडर 2012 जारी किया।

विदृप्रनि एकमात्र ऐसी विज्ञापन एजेंसी है जो देश के सभी समाचार पत्रों, जर्नल, रेडियो और सी एण्ड एस चैनलों को अपना निर्गम आदेच्च (रिलिज आर्डर) आनलाइन जारी करता है।

लगभग 5200 समाचार पत्र इसके पैनल में हैं।

डीडी बुकेट के अलावा लगभग 218 सी एण्ड एस चैनल और आकाशवाणी के अतिरिक्त लगभग 222 एफ एम रेडियो चैनल इसके पैनल में हैं।

विदृप्रनि के पैनल में लगभग 3500 डिजिटल सिनेमा थियेटर हैं।

नवंबर 2011 के दौरान एक विशेष अभियान चलाया गया ताकि सितंबर 2004 से पूर्व के सभी लेखों का मिलान किया जा सके।

2 अक्तूबर को विशेष अभियान

अहिंसा की शक्ति के संदेश का प्रसार करने के लिए मुद्रण अभियान चलाए गए।

पैनल में शामिल सभी प्रकाशकों को मुद्रण विज्ञापन जारी किए गए।

महात्मा गांधी, उनका जीवन और दर्शन पर एक प्रदर्शनी चेन्नई में आयोजित की गई।

- प्रधानमंत्री के चुनिंदा भाषणों का मुद्रण और वितरण किया गया। इनके भाषणों के कवर की बनावट और शैली में भी सुधार किया गया है ताकि उन्हें रंगीन पट्टियों के साथ चमकीला और आकर्षित बनाया जा सके।
- मुद्रण और बहुमीडिया वर्गों के तहत विदृप्रनि के पैनल में क्रमशः 62 और 30 रचनात्मक एजेंसियां हैं, जो ग्राहकों की आवश्यकता को निपुणता और प्रभावशाली तरीके से पूरा करती हैं।
- दिल्ली में बैनर लगाकर हिंदी पखवाड़ा और सतर्कता जागरूकता सप्ताह जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को आयोजन किया गया ताकि लोगों को इन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में पता चल सके।
- विदृप्रनि के पैनल में शामिल उर्दू समाचार-पत्रों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। वर्ष 2003-04 में ऐसे पत्रों की संख्या 181 थी, जबकि इस वर्ष विदृप्रनि के पैनल में 458 समाचार-पत्र हैं। उर्दू समाचार-पत्रों को मिलने वाली विज्ञापन राशि वर्ष 2003-04 में 4.82 करोड़ रू. से बढ़कर वर्ष 2010-11 में 16.89 करोड़ रू. हो गई।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत् परामर्शी विकास केंद्र (सीडीसी) को विदृप्रनि के आधुनिकीकरण पर एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। सीडीसी की सिफारिशें मंत्रालय के जांचाधीन हैं।

अभियान

वर्ष 2011-12 के दौरान विदृप्रनि ने अपने ग्राहक मंत्रालयों/विभागों की ओर से अभियान आरंभ किए। बड़े अभियानों के कुछ प्रमुख विषयों में निम्नलिखित शामिल हैं।

सरकार की पहल पर वर्ष के दौरान भारत निर्माण पर अनेक मीडिया विज्ञापन जारी किए गए जिससे एक मजबूत, समृद्ध ग्रामीण भारत के निर्माण के लिए समर्पित सभी फ्लैगशिप योजनाओं को मजबूती प्रदान की गई।

भारत निर्माण के ब्रांड नाम के तहत् विकास प्रचार अभियान विदृप्रनि ने वर्ष के दौरान भारत निर्माण अभियान के दो चरण आंरभ किए। पहला चरण 22 मई, 2011 को आरंभ हुआ और 10 जून, 2011 को समाप्त हुआ। जबकि दूसरा चरण 6 से 30 नवंबर, 2011 के बीच चला। पहले चरण के दौरान केवल मुद्रण और श्रव्य-दृश्य साधनों का उपयोग किया गया। दूसरे चरण में बाह्य प्रचार, एस.एम.एस. और इंटरनेट के माध्यम से प्रचार को बहु-माध्यम अभियान का अंग बनाया गया। विदृप्रनि ने पहली बार प्रदर्शनी वैनों का उपयोग किया ताकि पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्रों में संदेशों का प्रसार किया जा सके, जहां अन्य पंरपरागत मीडिया की पहुंच बहुत कम है।

जनता के लिए कार्यक्रमों पर राज्य विशिष्ट बुकलैटः विदृप्रनि राज्य विशिष्ट बुकलैटों

को डिजाइन और प्रिंट करता है, जिनमें जनता के लिए कार्यक्रमों पर सूचना दी जाती है। अभी तक इनमें कवर किए गए राज्यों में असम, उत्तर-प्रदेश, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु तथा जम्मू और कश्मीर शामिल हैं। इन बुकलैटों में पत्र सूचना कार्यालय के सहयोग से प्रकाशित की जाती है जिनमें भारत सरकार की विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के अंतर्गत लोगों के लिए कल्याणकारी उपायों पर सूचना प्रदान की जाती है।

जनता के लिए रिपोर्टः विदृप्रनि ने विभिन्न क्षेत्रों में केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर एक बुकलेट डिजाइन की और उसका मुद्रण किया। 'रिपोर्ट टू द पीपुल' नामक बुकलेट में आम आदमी के लाभ के लिए केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा उठाए गए विकासात्मक उपायों पर आंकड़ा आधारित महत्वपूर्ण सूचना दी गई।

फ्लैगशिप योजनाओं पर सूचना बुकलेटः विदृप्रनि ने युवा सशक्तिकरण, सूचना का अधिकार, महिला सशक्तिकरण, अल्पसंख्यकों का कल्याण, कमजोर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं, गांवों का सम्मिलित विकास और अनुसूचित जाति/जनजाति के कल्याण हेतु विशेष कार्यक्रम जैसे विभिन्न विषयों पर सात सूचना बुकलेटों का डिजाइन और मुद्रण किया। इन्हें ग्रामीण लोगों के बीच बांटा गया ताकि उन्हें सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई कल्याण योजनाओं के प्रति जागरूक बनाया जा सके।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का नियमित मुद्रण मीडिया अभियानः विदृप्रनि अंबेडकर जयंती, स्वतंत्रता दिवस, सद्भावना दिवस, शास्त्री जयंती, सरदार पटेल जयंती, नेहरु जयंती, आतंकवाद विरोध दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस आदि जैसे अवसरों पर नियमित रूप से मुद्रण मीडिया अभियान चला रहा है।

श्रव्य-दृश्य अभियानः-

- भारत निर्माण के दो चरण आरंभ किए गए जिसमें दूरदर्शन, आकाशवाणी, निजी टी.वी. और रेडियो चैनलों में सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों और पहली बार इंटरनेट वेबसाइट और बल्क एस.एम.एस. को शामिल किया गया है।
- उपभोक्ता जागरूकता अभियान में हवाई यात्रा उपभोक्ता उत्तरदायित्व, भ्रमित विज्ञापन, मध्यस्थता और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम जैसे विषयों को शामिल किया गया।
- आयकर संबंधी मामलों पर जागरूकता।
- अन्य महत्वपूर्ण श्रव्य-दृश्य अभियान में शामिल हैं- (1) ऊर्जा दक्षता ब्यूरो, (2) नाको- ब्लड सेफ्टी, (3) अग्नि सुरक्षा (4) पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा (5) जम्मू और कश्मीर में पर्यटन (6) सशस्त्र बलों के लिए भर्ती अभियान (7) सूचना का अधिकार।

नई विज्ञापन नीति
(02.10.2007 से प्रभावी)

मुख्य विशेषताएं :

- पात्रता मापदण्ड को 36 माह से घटाकर 18 माह कर दिया गया है।
- बोडो, गढ़वाली, डोगरी, कश्मीरी, खासी, कोंकणी, मैथिली, मणिपुरी, मिजो, नेपाली, राजस्थानी, संस्कृत, संथाली, सिन्धी, उर्दू और जनजातीय भाषाओं/बोलियों के समाचारपत्रों तथा जम्मू एवं कश्मीर, अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा पूर्वोत्तर राज्यों में प्रकाशित समाचारपत्रों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए पात्रता घटाकर 6 माह कर दी गई है।
- विदृप्रनि द्वारा वर्ष में जारी किए गए विज्ञापनों की कुल राशि में से 15 प्रतिशत राशि छोटे समाचारपत्रों को, 35 प्रतिशत राशि मझौले समाचार को तथा 50 प्रतिशत राशि बडी श्रेणी के समाचारपत्रों को दी जाएगी।

विज्ञापन

वित्तीय वर्ष 2011-12 (23.12.2011 की स्थितिनुसार) के दौरान देशभर में विभिन्न समाचारपत्रों को कुल 12,131 विज्ञापन जारी किए गए थे। इनमें से 1,054 प्रदर्श विज्ञापन थे तथा शेष वर्गीकृत विज्ञापन थे। इनमें उपभोक्ता शिक्षा, रैगिंग विरोधी, विश्व जनसंख्या दिवस, विश्व एड्स दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, मलेरिया दिवस, आयोडीन अल्पता दिवस, पर्यावरण दिवस, विश्व दृष्टि दिवस, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एन आर ई जी ए), गांधी जयंती, बाबू जगजीवन राम स्मृति, अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस, सद्भावना दिवस, स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस के विज्ञापन शामिल हैं।

प्रदर्शनियां :

प्रदर्शनी स्कंध ने वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान 30 नवम्बर 2011 तक 1758 प्रदर्शनी दिवसों में 439 प्रदर्शनियां आयोजित की हैं। इस अवधि के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में 63 जन सूचना अभियानों में विभिन्न इकाइयों ने भाग लिया। विभिन्न इकाइयों ने मुख्य मेलों में भाग लिया। इनमें से कुछ हैं :-

प्रगति मैदान में भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला, 2011

विदृप्रनि ने प्रगति मैदान में भारत अन्तरराष्ट्रीय व्यापार मेला,2011 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से "गैर-संक्रामक रोग" पर प्रदर्शनी आयोजित की। तीन तल की बिल्डिंग में प्रदर्शनी सेट लगाकर एक भव्य शो का आयोजन किया गया। फ्लैक्स के साथ 80'×40' के आकार का एक बडा फेशिया लगाया गया। दीवारों को भी फ्लैक्स से ढका गया। प्रदर्शनी को आकर्षक बनाने के लिए डायोरमा म्यूरल्स, ट्रांसलिट्स का प्रयोग किया गया। विषय के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए प्लाज्मा टी.वी. पर श्रव्य दृश्यों का प्रयोग किया गया।

<u>विभिन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयों द्वारा अप्रैल 30 से नवंबर, 2011 तक आयोजित/भाग लेने वाली प्रदर्शनियों की विशेषताएं :</u>

- मुख्यालय इकाई ने तालकटोरा स्टेडियम में मधुमेह जागरूकता कार्यक्रम के विषय पर एक-दिवसीय प्रदर्शनी में भाग लिया।
- इस इकाई ने 02 से 4 अक्तूबर 2011 तक प्रगति मैदान में महात्मा गांधी प्रदर्शनी आयोजित करके गांधी मेला में भाग लिया।
- एम टी एन एल परफेक्ट हैल्थ मेला: इकाई ने इस वर्ष भी पिलंजी में 19 से 23 अक्तूबर, 2011 तक इस गौरवशाली मेले में भाग लिया।

- **विदृप्रनि ने फ्लैगशिप तथा कार्यक्रमों को प्रचारित करने के लिए एक नए माध्यम का प्रयोग किया है। पहली बार मोबाइल प्रदर्शनी वैनों को कार्यक्रमों का संदेश पहुंचाने के लिए प्रयोग में लाया गया है, सचल प्रदर्शनी वैनें देश में दूरस्थ स्थानों तक पहुंच सकती है। इसे पहले चरण में 10 वैनों द्वारा 30 जिलों में पायलट प्रौजेक्ट की तरह लिया गया है।**
- **वैनों के लाइव मॉनिटरिंग के लिए सभी वैनों को जी पी एस ट्रैकिंग सिस्टम से लैस किया गया है।**

विभिन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयों द्वारा जन सूचना अभियान में प्रतिभागिता

अक्तूबर 2011 के दौरान त्रिवेंद्रम तथा जम्मू इकाइयों ने तीन स्थानों एवं चैन्नई, अगरतला तथा मुख्यालय इकाइयों ने एक स्थान पर महात्मा गांधी पर प्रदर्शनी आयोजित की।

जम्मू इकाई ने जून महीने में चमलियाल के दो भिन्न स्थानों पर तथा अक्तूबर महीने में झीरी में मेलों में भाग लिया/

कोलकाता इकाई ने अगस्त महीने में चंदनेश्वर, जिला बालासौर, उड़ीसा में पार्ट.उत्कल बंगा उत्सव-2011 में भाग लिया।

जून-जुलाई 2011 के दौरान पटना इकाई ने मधुबनी में सौरठ सभा मेला में "स्वस्थ ग्राम स्वस्थ भारत" प्रदर्शनी विषय पर भाग लिया।

इस इकाई ने सुल्तानगंज में श्रावणी मेले में स्वस्थ ग्राम स्वस्थ भारत प्रदर्शनी आयोजित करके भाग लिया तथा सितंबर 2011 के दौरान गया में भारत निर्माण प्रदर्शनी आयोजित करके गया मेला में भाग लिया।

पटना इकाई ने स्वस्थ ग्राम स्वस्थ भारत प्रदर्शनी के विषय पर अक्तूबर 2011 में कार्तिक स्नान बेगूसराय में भाग लिया।

पटना इकाई ने नवम्बर- दिसम्बर 2011 के दौरान 30 दिनों के लिए स्वस्थ ग्राम स्वस्थ भारत प्रदर्शनी के विषय पर मेला ग्राउंड, सोनपुर में एशिया के प्रसिद्ध पशु-मेले में भी भाग लिया।

रांची इकाई ने भारत निर्माण विषय पर देवगढ़ जिले में वैन के माध्यम से 15 स्थानों पर अगस्त 2011 के दौरान श्रावणी मेले में भाग लिया।

देश में अगम्य तथा दूरस्थ गांवों तक सरकार की विकासात्मक योजनाओं का संदेश पहुंचाने के लिए जहां केवल मास मीडिया का होना पर्याप्त नहीं होता, विद्प्रनि ने फ्लैगशिप तथा कार्यक्रमों को प्रचारित करने के लिए एक नए माध्यम का प्रयोग किया है। पहली बार सचल प्रदर्शनी वैनों को कार्यक्रमों का संदेश पहुंचाने के लिए प्रयोग में लाया गया है, मोबाइल प्रदर्शनी वैनें देश में दूरस्थ स्थानों तक पहुंच सकती है। इसे पहले चरण में 10 वैनों द्वारा 30 जिलों में पायलट प्रौजेक्ट की तरह लिया गया है।

<u>जयपुर विधानसभा में पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन</u>

जयपुर इकाई ने विधानसभा में 21 से 30 सितंबर, 2011 तक आयोजित 76 वें पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में विधानसभा परिसर, जयपुर में 'भारत की विधायिका : लोकतंत्र की स्तम्भ' विषय पर एक विकासात्मक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। श्रीमती मीरा कुमार, लोकसभा अध्यक्ष ने इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

पुरी में रथ यात्रा (कार उत्सव)

भुवनेश्वर इकाई ने पुरी में 2 से 11 जुलाई तक चले एक प्रसिद्ध कार उत्सव में फ्लैगशिप कार्यक्रमों/भारत निर्माण प्रदर्शनी का आयोजन करके भाग लिया। उड़ीसा के माननीय गवर्नर, श्री महेश्वर मोहंती ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

भारत निर्माण की सचल प्रदर्शनी

मुद्रित प्रचार

मुद्रित प्रचार में रंगीन पोस्टरों, फोल्डरों, ब्रोशरों, कैलेण्डरों, डायरियों, पुस्तिकाओं, स्टिकर, वॉल हैंगरों, टेबल कैलेण्डर तथा मुद्रित प्रचार की इसी तरह की विभिन्न प्रकार की मदों की योजना बनाने, निर्माण तथा मुद्रण संबंधी कार्यों की देखरेख शामिल है। आवश्यकता तथा बजट के अनुसार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के लिए प्राक्कलन/योजनाओं की तैयारी के कार्य भी किए जाते हैं।

विदृप्रनि सभी मुख्य भारतीय भाषाओं जैसे तमिल, तेलुगू, कन्नड़ मलयालम, मराठी, गुजराती, बंगाली, असमी, उड़िया, पंजाबी, उर्दू एवं हिंदी में मुद्रित प्रचार सामग्री को छापता है। यह स्कंध लागत मूल्य वृद्धि पर अंकुश लगाते हुए कार्य को कम से कम समय में समाप्त करने के लिए मुद्रकों, टाइपसैटरों तथा डायरी मेकरों का एक पैनल रखता है।

अप्रैल 2011-दिसंबर, 2011 की अवधि में लिए गए/समाप्त किए गए कार्य

- विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के लिए अंग्रेजी हिंदी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में पोस्टर, बुकलेट, फोल्डर कैलेण्डर, डायरियां तथा वॉल हैंगिग मुद्रित करता है।
- भारत सरकार के कैलेण्डर तथा डायरी भी विदृप्रनि द्वारा डिजाइन व मुद्रित किए जाते हैं। इस वर्ष का कैलेण्डर वन्य जीवन संरक्षण के विषय पर है तथा पंचायतों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा कुछ स्कूलों में बांटे गए।

विदृप्रनि प्रधानमंत्री के मुख्य भाषणों तथा अन्य रिपोर्टों का मुद्रण करता है।

कार्य	कार्यों की संख्या	प्रतियों की संख्या	प्रतिबद्ध लागत (रुपये में)
पोस्टर	9	1,87,250	9,21,744/-
फोल्डर	21	13,47,000	44,73,454/-
बुकलेट	31	7,03,300	1,18,20,566/-
कैलेण्डर	22	18,98,700	5,62,57,479/-
डायरी	5	1,17,300	70,91,400/-
पेमफ्लेट	1	4,50,000	5,20,715/-
विविध	17	4,34,010	65,75,610/-
कुल	**106**	**51,37,560**	**8,76,60,968/-**

श्रव्य दृश्य स्कंध

विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय का श्रव्य दृश्य स्कंध, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों तथा विभागों को श्रव्य दृश्य स्पॉट्स, जिंगल्स, वृत्तचित्र तथा प्रायोजित कार्यक्रम, मीडिया योजना एवं आकाशवाणी और निजी एफ एम रेडियो चैनलों, दूरदर्शन तथा निजी केबल एवं उपग्रह चैनलों तथा डिजीटल सिनेमा, वेबसाइट एवं एस.एम.एस. के माध्यम से व्यापक सेवाएं भी प्रदान करता है। ऊर्जा संरक्षण तथा बी.ई.ई. स्टार लेबल प्रोत्साहन का अभियान इस वर्ष भी जारी रहा। सूचना का अधिकार अधिनियम, आयकर, सशस्त्र सेना बलों की भर्ती, नाको इत्यादि अन्य प्रमुख अभियान शामिल है।

श्रव्य दृश्य निर्माण :

वि.दृ.प्र.नि. द्वारा दो मुख्य साप्ताहिक प्रायोजित रेडियो कार्यक्रम (एस.आर.पी.एस.) का निर्माण किया गया तथा उनका आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों से प्रसारण किया गया। इनमें15 मिनट का किशोरावस्था से संबंधित कार्यक्रम "टेन टीन टू ऐट टीन", और 15 मिनट का विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी विषयों का कार्यक्रम "एक कदम खुशहाल जिंदगी की ओर" शामिल है। ये दोनों कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा हिंदी एवं अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में निर्मित किया गया।

इन एस.आर.पी. के अतिरिक्त, कई श्रव्य दृश्य स्पॉट्स एवं फिल्म, गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय बागबानी बोर्ड, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय इत्यादि के लिए निर्मित किए गए।

रेडियो/टी.वी. चैनलों तथा डिजिटल सिनेमा का इम्पैनलमेंटः

15.12.2011 तक वि.दृ.प्र.नि. के पैनल पर 210 से अधिक सी तथा एस चैनल (दूरदर्शन के अतिरिक्त) एवं 215 से अधिक निजी एफ एम रेडियो स्टेशन (आकाशवाणी नेटवर्क के अलावा) थे। 2011-12 के दौरान 3500 डिजीटल थिएटरों की संख्या से अधिक वाले दो एजेंसियों को वि.दृ.प्र.नि. के पैनल में शामिल किया गया। समुदाय रेडियो स्टेशन को पैनल में लाने की प्रक्रिया उन्नत अवस्था में है।

वेबसाइट एवं एस.एम.एस. पर प्रायोगिक परियोजनाएंः

विदृप्रनि ने वेबसाइट एवं एस.एस.एस. के माध्यम से प्रायोगिक परियोजनाओं का संचालन एवं सरकारी विज्ञापनों को जारी किया। देश के 33 मुख्य वेबसाइटों को विज्ञापन जारी करने के लिए इम्पैनल्ड किया गया। 110 से अधिक एस.एम.एस., विभिन्न प्रकार के संदेश जिसमें नौसेना के भर्ती, आयकर की अदायगी से लेकर ध्वजपोत कार्यक्रमों के संदेश एस.एम.एस. के माध्यम से एक पैसा प्रति एस.एम.एस. की दर से भेजा गया।

समुदाय रेडियो स्टेशनों का इम्पैनपलमेंट

विदृप्रनि ने प्रथम बार समुदाय रेडियों स्टेशनों में विज्ञापन भेजने प्रारंभ किए हैं। 10 सी.आर. एस. को विदृप्रनि के साथ इम्पैनल्ड किया गया है।

निर्माताओं का नवीन इम्पैनलमेंट

विदृप्रनि ने नए मानदण्ड के आधार पर श्रव्य-दृश्य कार्यों के लिए प्रोडक्शन हाऊस का इम्पैनलिंग का कार्य प्रारंभ किया है। 350 के लगभग आवेदन प्राप्त हुए हैं जिन पर कार्यवाही जारी है। निर्माण हेतु संशोधित दर कार्ड का प्रारूप भी तैयार कर लिया गया है और विदृप्रनि की वेबसाइट पर पुनर्निवेशन हेतु डाला जा चुका है।

बाह्य प्रचार

निस्संदेह बाह्य माध्यम ध्यान आकर्षित करता है क्योंकि इसका प्रभाव व्यापक है और किसी विशेष समाचार पत्र और चैनल तक सीमित नहीं है। बाह्य प्रचार अभियान के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करती है और साथ ही दूसरे माध्यम के लिए अनुस्मारक का कार्य करती है। दूसरे माध्यमों की अपेक्षा बाह्य प्रचार 24X7 है। ग्रामीण इलाकों में ग्रामीण जनता का ध्यान आकर्षित करने वाले चित्र एवं दिवारों पर बड़े अक्षरों में पेटिंग बाह्य प्रचार करते हैं। विशेषकर ग्रामीण इलाकों में बाह्य माध्यम ही लोगों को प्रेरित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। विदृप्रनि ने बाह्य प्रचार के विभिन्न माध्यम को निर्मित कर एवं प्रदर्शित कर अभियानों का महत्व बढ़ाने का प्रयत्न किया है।

उपरोक्त अवधि के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सरलीकरण तथा कई महत्वपूर्ण घटनाओं से संबंधित जन-जागरूकता और सूचना पर ग्रामीणोन्मुखी योजनाओं के लिए विभिन्न अभियानों के माध्यम से विभिन्न ग्राहक मंत्रालयों/विभागों तथा भारत सरकार के स्वायत्त निकायों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निम्नलिखित का प्रकाशन किया गया।

(क) वर्ष 2011-12 के दौरान लगाए गए प्रदर्शों की संख्या (1.4.11 से 30.11.12 तक) कुल प्रदर्शनियां:

क्रम सं	फारमेट/माध्यम	प्रदर्शों की संख्या
1	एयरपोर्ट साइनेज़	81
2	एनिमेशन	61
3	दो फ्लैग्स बैनर	28
4	बस पैनल	13781
5	बस क्यू शेल्टर	904
6	बिजली बिल	7800000
7	होर्डिंग	2157
8	सिटी/मेट्रो क्योस्क	5348
9	बड़े डिस्पले/पुल/फ्लाईओवर/सबवे पैनल	56
10	एल.सी.डी. स्क्रीन डिस्पले	4182
11	एल.पी.जी. बिल	750000
12	मेट्रो डिस्पले बोर्ड	261
13	मेट्रो के भीतर पैनल	475
14	मेट्रो रेलिंग	120
15	प्रोग्राम बोर्ड	2
16	जनोपयोगी	13
17	रेलवे आरक्षण टिकट	11800003
18	रेलवे आरक्षण चार्ट	25000
19	रेलवे स्टेशन डिस्पले बोर्ड	89
20	ट्रेन पैनल (शताब्दी/जन शताब्दी)	5233
21	तिरुपति प्रवेश कार्ड	1900000
22	भूमिगत पारपथ	7
23	यूनीपोल	296
24	ढांचा	05
25	ट्रैफिक सिग्नल	3016
26	पिलर रैप (पिलर आवरण)	1271
27	आटो रिक्शा का कवर	1975
28	ग्लो साइन	96
	बैकलिट डिस्प्ले बोर्ड	30

कुल : 22301759

इस अवधि के दौरान बाह्य प्रचार अनुभाग द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण अभियानों जैसे कैंसर जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य, दृष्टिबद्धता अभियान, ऊर्जा दक्षता तथा 2 नवीन तथा नवीकरण ऊर्जा, बी.आई.एस., महिला एवं बाल विकास, उपभोक्ता मामले, आयकर सीमा शुल्क तथा उत्पाद शुल्क, उपभोक्ता मामले, ग्रामीण विकास का प्रचार किया गया। इसके अलावा, बाह्य प्रचार के माध्यम से कई महत्वपूर्ण घटनाओं साथ ही साथ फिल्म उत्सव को भी विशिष्टता प्रदान की गई।

<u>मास मेलिंग</u>

विदृप्रनि का मास मेलिंग स्कंध मुख्यतः मुद्रित प्रचार स्कंध द्वारा निर्मित मुद्रित सामग्री को देश के विभिन्न भागों में लोगों के विभिन्न वर्गों को प्रेषित करता है। यह स्कंध देश में अपने प्रकार के बड़े ढांचों में से एक है तथा इसकी पहुंच ग्राम पंचायत स्तर तक है। इस स्कंध ने वर्तमान में 482 से अधिक वर्गों में फैले 5,00,335 (पांच लाख तीन सौ पैंतीस) पतों की पता सूची बनाई हुई है। विभिन्न विषयवस्तुओं पर प्रचार सामग्री की 51,37,560 प्रतियां वितरित की जा चुकी हैं। इसमें संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार द्वारा जनता के लिए कार्यक्रम, अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री का 15 सूत्री कार्यक्रम, महिला सशक्तीकरण तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना शामिल हैं।

<u>दिसम्बर, 2011 तक प्रेषित कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार हैः-</u>

क्र. सं.	कार्य	कार्यों की संख्या	प्रतियों की संख्या
1	पोस्टर	9	1,87,250
2	फोल्डर	21	13,47,000
3	बुकलेट	31	7,03,300
4	कैलेंडर	22	18,98,700
5	डायरी	5	1,17,300
6	पैम्पलेट	1	4,50,000
7	अन्य कार्य	17	4,34,010

विदृप्रनि ने ब्लॉक स्तर तक कैलेंडर पहुंचाने के लिए पहली बार ब्रांडेड वैनों का प्रयोग किया है। यह प्रायोगिक आधार पर आरंभ किया गया है।

सतर्कता

विद्प्रनि के मुख्यालय तथा उसके क्षेत्रीय कार्यालयों में सतर्कता के ढांचे का विवरण

विद्प्रनि ने जून 2004 में नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में एक पूर्ण विकसित सतर्कता अनुभाग का गठन किया। सतर्कता अनुभाग पूर्ण रूप से महानिदेशक के पर्यवेक्षण में कार्य करता है। इस कार्य में अपर महानिदेशक, निदेशक(सतर्कता), उप निदेशक (प्रशा.) तथा अन्य अधीनस्थ स्टाफ उनकी सहायता करता है।

1. इस अवधि के दौरान सतर्कता निवारक गतिविधियां

- इस अवधि के दौरान किए गए नियमित निरीक्षणों की संख्या 1
- आकस्मिक निरीक्षणों की संख्या 1

2. इस अवधि के दौरान निगरानी तथा खोजों से संबंधित गतिविधियां

- निगरानी के लिए चुने गए क्षेत्रों का ब्यौरा कोई नहीं
- निगरानी में रखे जाने के लिए चुने गए व्यक्तियों की संख्या कोई नहीं

दंडात्मक गतिविधयां (जहां नियुक्ति प्राधिकारी राष्ट्रपति के अतिरिक्त कोई और हो वहां संख्या दर्शाई जाए)

- अवधि के दौरान प्राप्त शिकायतों/संदर्भों की संख्या 15
- कितने मामलों की प्रारंभिक जांच पड़ताल की गई 08
- कितने मामलों की प्रारंभिक जांच पड़ताल की रिपोर्ट प्राप्त हुई 04
- कितने मामलों में बड़े दंड के लिए आरोप पत्र जारी किए गए कोई नहीं
- कितने मामलों में साधारण दंड के लिए आरोप पत्र जारी किए गए कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों पर बड़ा दंड लगाया गया कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों पर साधारण दंड लगाया गया कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों को निलंबन तथा प्रतिसंहरण के तहत रखा गया 01
- कितने व्यक्तियों के खिलाफ चेतावनी आदि प्रशासनिक कार्रवाई की गई कोई नहीं
- कितने व्यक्तियों को नियमों के संगत प्रावधानों के तहत समयपूर्व सेवानिवृत्ति दी गई कोई नहीं
- कितने मामलों में (CAT) के निर्णय/आदेश प्राप्त हुए कोई नहीं

लेखा स्कंध

विद्प्रनि का लेखा स्कंध प्रत्येक वर्ष मीडिया संगठनों, जिनमें समाचार पत्र, टी.वी. चैनल, रेडियो चैनल, बाह्य प्रचार एजेंसियां, संगठन के पैनल में शामिल निर्माताओं तथा प्रिंटिंग हाउसों को लगभग 700 से 750 करोड रूपए के भुगतान का निपटारा करता है। अपर महानिदेशक (लेखा) की अध्यक्षता में इस स्कंध में निदेशक (लेखा), वित्तीय सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी, छह लेखा अधिकारी, तीन सहा. लेखा अधिकारी तथा पांच लेखाकार/क. लेखाकार शामिल हैं। विज्ञापन के प्रसारण अथवा प्रकाशन की जांच तथा विद्प्रनि द्वारा उन्हें दिए गए अवमोचन आदेश में दी गई शर्तों के आधार पर भुगतानों का निपटारा किया जाता है।

मुख्य उपलब्धियां: लेखा स्कंध की मुख्य उपलब्धियां निम्नलिखित हैं

1) प्रदर्शनियों तथा वेतन के भुगतान सहित सभी भुगतानों के लिए सफल यांत्रिक निधि स्थानांतरण।
2) अब सभी निजी पार्टियों को लगभग 100 प्रतिशत भुगतान यांत्रिक निधि स्थानांतरण (इलैक्ट्रानिक फंड्स ट्रांसफर) द्वारा तत्काल किया जाने लगा है जिससे डाक द्वारा चैकों के पारगमन में देरी तथा खोने की आशंका खत्म हो गई है।
3) बिलों के प्रक्रमण की अब वेबसाइट पर निगरानी की जा सकती है जिसमें बिलों की स्थिति के बारे में देखा जा सकता है खासतौर से यह देखा जा सकता है कि उन्हें किसी कारण से अस्वीकृत किया गया या पास किया गया।
4) बिलों की प्रस्तुति के लिए समय-सीमा की स्पष्ट अनुसूची का कार्यान्वयन (श्रव्य-दृश्य बिलों के लिए एक माह, समाचार पत्रों के बिलों के लिए दो माह), जिसके पश्चात् बिल स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
5) सूचना भवन के भूतल पर बिल प्राप्त करने के लिए एक सुविधा कक्ष (फैसिलिटेशन सेल) बनाया गया है जहां बिल प्राप्त किए जाते हैं तथा दिनांकित पावती दी जाती है।
6) प्रत्येक अस्वीक़त बिल के लिए निदेशक (लेखा) की ओर से पत्र।
7) विदृप्रनि ने उन सभी बिलों जो विभिन्न कारणों से जमा नहीं कराए जा सके या अस्वीक़त हो गए, को प्राप्त करने के लिए नवम्बर2011 में एक विशेष अभियान चलाया गया। इस प्रकार सभी लंबित बिलों का भुगतान हो पाएगा।
8) ऑडिट पैरा में 63 में से 47 का निपटान हो चुका है।

चल रही बडी पहलें: लेखा स्कंध में चल रही बड़ी पहलें निम्नानुसार हैं :

1) लेखा प्रक्रमण (प्रोसेसिंग) तथा संवीक्षा की आउटसोर्सिंग।
2) लेखा संबंधी शिकायतों के लिए एक हैल्प-लाइन तथा कॉल सेंटर का गठन।
3) सभी कर्मचारियों को कम्प्यूटर उपलब्ध कराना तथा सभी भुगतानों का प्रक्रमण (प्रोसेसिंग) उपयुक्त सॉफ्टवेयर के माध्यम से करना चाहे वह समाचारपत्रों के लिए हो या श्रव्य-दृश्य के लिए हो।

सूचना-प्रौद्योगिकी स्कंध

विदृप्रनि ने एन.आई.सी. की साझेदारी से ग्राहक मंत्रालयों तथा इसके ग्राहकों जैसे कि समाचारपत्र, टी वी/ रेडियो चैनल, निर्माता इत्यादि दोनों के संबंध में ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में व्यापक प्रगति को जारी रखा। विदृप्रनि की वेबसाइट को और अधिक उपभोक्ताओं के अनुकूल बनाने के लिए इसका पुनर्निर्माण किया गया, तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की माननीय मंत्री द्वारा औपचारिक रूप से इसका अवतरण किया गया। ऐसा पहली बार हुआ है कि नई वेबसाइट समाचारपत्र तथ श्रव्य दृश्य विज्ञापन दोनों के लिए फंड प्रयोग स्टेटस से ग्राहक मंत्रालय को सीधा संपर्क प्रदान करता है। यह साइट विकलांगों के अनुकूल भी है। पहली बार ऐसा हुआ है कि एस एम एस, डिपीटल सिनेमा और वेबसाइट, तथा बाह्य प्रचार एजेंसियों के लिए ऑनलाइन रिलीज आर्डर जारी किए गए।

भाषा अनुवाद स्कंध

यद्यपि विदृप्रनि के पास अनुवाद कार्य के लिए स्थायी स्टाफ नहीं है, अनियमित आधार पर लगाए गए अनुवादकों के एक पैनल की सहायता से यह विभिन्न ग्राहक मंत्रालयों/विभागों के लिए अनुवाद कार्य करता रहता है। विज्ञापनों, कैलेंडरों, बुकलेट्स, फोल्डर इत्यादि के लिए अनुवाद किए जाते हैं। विदृप्रनि के भाषा अनुवाद स्कंध में अब भाषा टंकक हैं जो अपनी-अपनी संबंधित भाषा में टाईप करते हैं।